की हर चीज को असम्मान की दृष्टि से देखते हैं, उसकी आलोचना करते हैं और उसे अपनाने में अपनी मानहानि समझते हैं। पर्व को ही लीजिए। पढ़े-लिखे लोग कहते हैं कि यह स्त्रियों का ढोंग है, यह पंडितों की पोंगापंथी है। वे कहते हैं, पर्व बेकार हैं, ये फिजूलखर्ची के साधन हैं।

★★★

18UD26121

01

Total No. of Printed Pages—4

4CCSME

GENERAL HINDI

सामान्य हिन्दी

Full Marks : 100 — *Time* : 3 hours

पूर्णांक : 100 — *समय* : 3 घण्टे

हाशिये में पूर्णांक दिए गए हैं

सरल और शुद्ध हिन्दी में लिखने का प्रयास कीजिए

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं*

1. नीचे लिखे विषयों में से किसी **एक** पर निबन्ध लिखिए : 30

(क) आपकी प्रिय पुस्तक

(ख) परहित सरिस धर्म नहिं भाई

(ग) भूकम्प की त्रासदी

(घ) भ्रष्टाचार

(ङ) दहेज-प्रथा

2. निर्देश के अनुसार उत्तर दीजिए :

(क) नीचे लिखे शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए : 5

(i) यद्यपि

(ii) दिग्गज

(iii) उल्लास

(iv) निरुपाय

(v) नीरोग

(ख) नीचे लिखे मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 5

(i) अँगूठा दिखाना

(ii) हाथ-पैर मारना

(iii) आँखें खुलना

(iv) कान भरना

(v) नाक रगड़ना

(ग) निम्नलिखित के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : 5

(i) अथ

(ii) अग्रज

(iii) ताप

(iv) बाह्य

(v) संकल्प

(घ) निम्नलिखित के *दो-दो* पर्यायवाची शब्द लिखिए : 5

(i) कामदेव

(ii) कमल

(iii) जल

(iv) पुष्प

(v) रात्रि

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए : 5

(i) चिड़िया

(ii) कथा

(iii) नारी

(iv) नदी

(v) कपड़ा

(च) निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : 5

(i) मैंने कल पटना नहीं जाना।

(ii) यह काम आप पर निर्भर करता है।

(iii) पूज्यनीय पिताजी के चरणों में सादर प्रणाम।

(iv) तब शायद यह काम जरूर हो जाएगा।

(v) प्रत्येक व्यक्ति जीना चाहते हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) प्रत्यय किसे कहते हैं? कृदन्त और तद्धित प्रत्यय में अन्तर बताकर दोनों के एक-एक उदाहरण दीजिए।

(ख) हिन्दी वाक्य के आरम्भ, मध्य और अन्त में शब्दों का सामान्य क्रम क्या होता है? एक उदाहरण देकर अपनी बात स्पष्ट कीजिए।

(ग) सरल वाक्य और मिश्र वाक्य में अन्तर बताइए। अच्छे विद्यार्थी परिश्रमी होते हैं—इस सरल वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए।

4. निम्नलिखित अवतरण का पल्लवन कीजिए : 10

''हिंसा बुरी चीज है, पर दासता उससे भी बुरी है।''

5. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए : 15

अँगरेजी पढ़ना खराब नहीं है, पर अँगरेजी पढ़कर अँगरेजी हो जाना खराब है। अँगरेजी पढ़कर अपने देश को, अपनी भाषा को, अपनी संस्कृति को भूल जाना खराब है। यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ कि आज के अधिकतर अँगरेजी पढ़े-लिखे लोग अपने देश